सिं.अर्धचतुर्थ **ऊठमण** उपबा. [दीक्षानी] अंतिम विधि, विडी दीक्षा सं.उपस्थापना **ऊठवणी** जुओ उट्टवणी **ऊड** षडाबा. ओड, खोदकाम करनारी एक जाति दि.ओड्डी **फड** *उक्तिर.* ओरिस्सा (सं.उड्ड) **ऊडण** *गूर्जरा.* ढाल (दे.अड्डण) ऊडण-पीपळी, ऊडन-पीपळी दशस्कं(१). प्रेमाका. एक बाळरमत **ऊडी** अखाछ. कूदको [म.] **ऊडुपति** अखाका. ताराओनो पति, चंद्र [सं.] **ऊढिण** *उषाह*. ओढवामां. पहेरवामां **ऊढणी, ऊंढणी** दशस्कं(१). प्रेमाका. ईंढोणी; जुओ ऊंडहणुं **ऊढणूं** जुओ उढणउं फदवुं जुओ उढवुं **ऊणीञ्चणी** जिनरा. उदास **ऊणोदरी** *आरारा*. ओछुं खावुं ते, एक तप (सं.ऊन+उदर) **फतजिइ** गुर्जरा. तजाय (सं.उत्त्यज्यते) **ऊतरिण्यु** उक्तिर. ऋणमुक्त (*सं.उत्तारित-ऋणम्) [हिं.उतरिन]; जुओ उत्तराण **ऊतारणउं** उक्तिर. षष्टिप्र. उतारणुं, उतारीने फेंकी देवं ते, [वारी जवुं ते] (सं. उत्तारणम्, अवतारणम्) **फतारु** विमप्र. उतारो, [ऊतरवानुं स्थळ] **फत्रेविड** नेमिछं. उतरेड, एक पर एक मूकेलां

ऊठ *अखाका. नरका. प्रेमाका.* साडा त्रण

जयड्या अखाछ. खोटे मार्गे टिचाता. आथङ्या **ऊयानदशा** चित्तसं, उन्नत दशा **ऊथापणी** ऋषिरा. स्थानभ्रष्ट करवुं, घर बहार काढी मूकवुं ते (सं.उत्यापन) **ऊदलइ** उक्तिर. आंचके, झूंटवी ले **ऊदंप** जुओ उदंप **ऊ**वारिक *आनंस्त*. औदारिक, स्थूळ, [मनुष्य के तिर्यंचनुं] (शरीर) [जै.] **ऊदालइ** जुओ उदालइ **ऊदालिवउं ***उपबा. [छीनवी लेवुं] दि. उद्दाल **ऊवी** जुओ उदी **ऊदीपक** जुओ उदीपक **ऊदेग** जुओ उदेग **ऊदेगामणउं** जुओ उदेगामणउं **ऊदेगियड** *षडाबा*. उद्वेग पामे **ऊदेही** जुओ उदेही **फदोत** *देवरा.* भपको, [शोभा] (सं.उद्योत) **ऊद्धसइ** जुओ उद्धसइ **जध(मुखि)** गुर्जरा. नीचे [मुखे], ऊंधे -ऊलटे [मुखे] ***ऊधड किंग्ड** *अखाका.* *अटकळ, *मननी कल्पनाओ, [मुश्केली] [सं. अवघट]; जुओ अवघट, ओघट **ऊधरइ** अखाका. उपबा. गुर्जरा. लावल. ऊंचके, उपाडे, उपर काढे, बहार लावे [सं.उद्धरति]; प्रेमाका. *उत्कर्ष पामे, [ऊछरे]: *वीसरा*. उद्धार पामे **ऊधरकवुं** जुओ उधरकवुं

वासण के माटलांनी हार (दे.उत्तिरिविडि)